RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
नवम्बर
19
2024

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors
13. Index

COP16
COLOMBIA
Paz con la Naturaleza

Indian Green Building Council
Greening India since 20

By Ankit Avasthi Sir

ब्राजील: G20 मीटिंग / Brazil: G20 Meeting

18 नवंबर 2024 से ब्राजील के रियो डि जेनेरियो में 19वीं G20 समिट की शुरुआत हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारतीय प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व करने के लिए वहां पहुंच चुके हैं, जहां भारतीय समुदाय ने उनका स्वागत संस्कृत मंत्रों के साथ किया।

✓ **इस दो दिवसीय समिट का आयोजन 18 और 19 नवंबर 2024 को होगा।**

आयोजन स्थल और तारीख:

18-19 नवंबर को ब्राजील, साउथ अमेरिका में G20 की **19वीं बैठक** हो रही है।

प्रमुख नेता:

भारतीय प्रधानमंत्री **नरेंद्र मोदी, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग** जैसे दिग्गज हिस्सा ले रहे हैं।

"G20 समिट 2024" एजेंडा

✓ **भुखमरी और गरीबी** के खिलाफ एकजुटता।
✓ **सरकारों के कामकाज में सुधार।**
✓ **सस्टेनेबल डेवलपमेंट और ऊर्जा के बेहतर विकल्प।**

G20 में इस बार खास क्या है

- अफ्रीकन यूनियन पहली बार फुल टाइम मेंबर के रूप में हिस्सा लेगा।
- 7 नॉन मेंबर देश हिस्सा लेंगे- मिस्र, अंगोला, UAE, नाइजीरिया, नॉर्वे, पुर्तगाल, सिंगापुर
- **थीम: बिल्डिंग अ जस्ट वर्ल्ड एंड अ सस्टेनेबल प्लेनेट।**

यूक्रेन और गाजा पर चर्चा संभावित:

✓ तीन मुख्य एजेंडों के साथ **रूस-यूक्रेन युद्ध और मिडिल ईस्ट (गाजा) संकट** पर भी चर्चा हो सकती है।
✓ पिछली G20 समिट (भारत) में यूक्रेन पर चर्चा के बाद जॉइंट स्टेटमेंट जारी हुई थी।

रूस की स्थिति:

- **राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन समिट** में शामिल नहीं होंगे।
- **विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव रूस का प्रतिनिधित्व** करेंगे।

महत्वपूर्ण तथ्य:

- **यूक्रेन, इजराइल और फिलीस्तीन G20 के सदस्य नहीं हैं।**

G20 का महत्व:

यह समूह दुनिया की ***85% जीडीपी, 75% वैश्विक व्यापार और दो-तिहाई आबादी*** का प्रतिनिधित्व करता है।

G20 का परिचय

क्या है G20?

✓ **यह 20 देशों का समूह** है, जिसमें 19 देश और यूरोपियन यूनियन शामिल हैं।
✓ **सदस्य देश**: जी20 समूह में कुल 19 देश (अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, यूरोपीय संघ, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया, तुर्की, यूनाइटेड किंगडम) और यूरोपीयन संघ शामिल हैं।

स्थापना का उद्देश्य:

- 1999 में एशिया में आए आर्थिक संकट के बाद वैश्विक आर्थिक और वित्तीय मुद्दों पर चर्चा के लिए बनाया गया।

G20 की शुरुआत और इतिहास

पहली बैठक:
2008 में अमेरिका के वॉशिंगटन में आयोजित की गई।

बैठक का आयोजन:
शुरुआत में **साल में 2 बार बैठक होती थी, लेकिन 2011 के बाद इसे साल में एक बार आयोजित** किया जाता है।

अध्यक्ष देश:
हर साल एक देश को अध्यक्षता मिलती है। वर्तमान में ब्राजील अध्यक्ष है।

G20 का कार्यक्षेत्र

प्रमुख मुद्दे:
✓ **अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य, कृषि, ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन।**
✓ 2015 में पहली बार **प्रवासन और शरणार्थी संकट** पर चर्चा हुई थी।

कार्यप्रणाली:
G20 दो ट्रैकों पर काम करता है:
⇒ **फाइनेंस ट्रैक**: वित्तीय और आर्थिक मुद्दों पर चर्चा।
⇒ **शेरपा ट्रैक**: कृषि, शिक्षा, ऊर्जा, और संस्कृति जैसे विषय।

अध्यक्षता कैसे तय होती है?

ट्रोइका प्रणाली:
जी20 देशों की अध्यक्षता कौन सा देश करेगा? इसका फैसला ट्रोइका से तय होता है। जी20 सम्मेलन को पिछले, वर्तमान और भविष्य के राष्ट्राध्यक्ष के समर्थन से आयोजित करने का फैसला लिया जाता है। उदाहरण: भारत (2023), ब्राजील (2024), और साउथ अफ्रीका (2025)।

G20 की बैठक से लाभ

समस्या समाधान:
- वैश्विक मुद्दों पर सहयोग और समाधान।
- साझा घोषणा पत्र पर सहमति बनाने की कोशिश।

उत्तर कोरिया की 'शोर बमबारी' / North Korea's 'Noise Bombing'

उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया की सीमा पर अजीब और भयावह आवाजें प्रसारित करना शुरू कर दिया है, **जिसे "ध्वनि बमबारी" कहा जा रहा है**, जिससे सीमा के पास बसे गांवों में लोगों का जीवन असहनीय हो गया है।
इस बार उत्तर कोरिया द्वारा **लाउडस्पीकरों के माध्यम से मनोवैज्ञानिक युद्ध** छेड़ा गया है। विशेष रूप से **डांगसन गांव** में, जहां तनाव के चलते स्थानीय निवासियों का जीवन मुश्किल हो गया है।

1. उत्तर कोरिया की लाउडस्पीकर रणनीति

- उत्तर कोरिया द्वारा लाउडस्पीकरों के माध्यम से मनोवैज्ञानिक युद्ध छेड़ा गया है।
- ये लाउडस्पीकर ***घंटों तक चीखें, गूंज और डरावने शोर*** प्रसारित करते हैं।
- **उद्देश्य:** दक्षिण कोरियाई नागरिकों को मानसिक रूप से कमजोर करना।

2. गांववासियों पर प्रभाव

- **जनसंख्या:** डांगसन गांव में कुल 354 निवासी, जिनमें अधिकांश बजर्ग हैं।
- **स्वास्थ्य समस्याएं:**
  - लगातार **अनिद्रा और सिरदर्द** की शिकायतें।
  - मानसिक तनाव और डर का माहौल।

पशुधन पर प्रभाव: शोर के चलते पशु भी असामान्य व्यवहार कर रहे हैं।

दिनचर्या बाधित:

- खिड़कियां और दरवाजे बंद रखने की मजबूरी।
- बच्चे घर से बाहर खेलने में हिचकिचा रहे हैं।
- कुछ ने शोर से बचने के लिए **स्टायरोफोम इन्सुलेशन** का सहारा लिया है।

3. समुदाय की प्रतिक्रिया

- स्थानीय नेता गांव का दौरा कर सहानुभूति जता चुके हैं।
- अभी तक स्थिति सुधारने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं।

4. ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

- कोरियाई युद्ध (1950-53) बिना किसी शांति संधि के समाप्त हुआ।
- वर्षों से दोनों देशों के बीच **तनाव और अविश्वास बढ़ा** है।
- उत्तर कोरिया के नेता **किम जोंग-उन** ने संवाद बंद कर सख्त नीति अपनाई।
- दक्षिण कोरिया **के राष्ट्रपति यून सुक-योल-**
  - उत्तर कोरिया में स्वतंत्रता और सूचना प्रवाह को बढ़ावा देने की वकालत कर रहे हैं।
  - पुराने समझौतों को पुनर्जीवित कर शांति वार्ता की आवश्यकता पर जोर दिया।

5. हालिया घटनाएं और तनाव

- उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया से जुड़े **रेल और सड़क नेटवर्क को नुकसान** पहुंचाया।
- **जीपीएस सिग्नल बाधित** करने जैसी घटनाएं भी दर्ज की गई हैं।
- सीमा पर ये कार्रवाइयां तनाव को और भड़काने का काम कर रही हैं।

6. समाधान की दिशा में सुझाव

- **सीमावर्ती क्षेत्रों में नागरिकों की सुरक्षा** के लिए विशेष कदम उठाए जाएं।
- **शांति वार्ता:** दोनों देशों को पुराने समझौतों पर पुनर्विचार कर संवाद का रास्ता अपनाना चाहिए।
- तनाव कम करने के लिए **अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता** और सहयोग की आवश्यकता।

डांगसन गांव की स्थिति "गोलों के बिना बमबारी" जैसी हो गई है। इस संवेदनशील माहौल में, दोनों देशों को जल्द से जल्द **शांति और स्थिरता बहाल** करने के उपाय अपनाने चाहिए।

भारत और नाइजीरिया: समुद्री सुरक्षा और आर्थिक सहयोग में नई शुरुआत / India and Nigeria: A new beginning in maritime security and economic cooperation

हाल ही में **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नाइजीरिया यात्रा के दौरान भारत और नाइजीरिया ने समुद्री सुरक्षा में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। यह 17 साल बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली नाइजीरिया यात्रा थी।** राष्ट्रपति बोला टिनुबू ने मोदी को इस सहयोग पर चर्चा के लिए आमंत्रित किया।

मुख्य चर्चा बिंदु

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति टिनुबू ने अबुजा स्थित राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की। इस दौरान कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई, जैसे:

- ✓ **आर्थिक विकास**: दोनों देशों ने आर्थिक संबंध मजबूत करने पर जोर दिया।
- ✓ **रक्षा और सुरक्षा**: सुरक्षा में सहयोग बढ़ाने के उपायों पर चर्चा।
- ✓ **स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा**: हेल्थकेयर और खाद्य आपूर्ति को बेहतर बनाने के लिए सहयोग पर सहमति।

समुद्री सुरक्षा में सहयोग

- **खतरे बढ़ रहे हैं**: गिनी की खाड़ी और हिंद महासागर में समुद्री लुटेरों और अन्य खतरों का सामना करना पड़ रहा है।
- **समाधान**: भारत और नाइजीरिया ने समुद्री व्यापार मार्गों की सुरक्षा के लिए संयुक्त कदम उठाने का फैसला किया।
- **आर्थिक हित:** यह सहयोग दोनों देशों के लिए आर्थिक रूप से भी महत्वपूर्ण है क्योंकि सुरक्षित समुद्री मार्ग व्यापार के लिए जरूरी हैं।

नाइजीरिया में भारतीय निवेश

⇒ **भारतीय निवेश बढ़ाने की कोशिश**: नाइजीरिया भारत से और अधिक निवेश आकर्षित करना चाहता है और सस्ते कर्ज की उम्मीद कर रहा है।

⇒ **$14 बिलियन का वादा**: पिछले G20 शिखर सम्मेलन में भारतीय निवेशकों ने नाइजीरिया में लगभग $14 बिलियन निवेश करने का वादा किया था।

⇒ **जिंदल स्टील का बड़ा कदम**: जिंदल स्टील एंड पावर ने नाइजीरिया के स्टील सेक्टर में $3 बिलियन निवेश करने का निर्णय लिया।

नाइजीरिया में भारतीय कंपनियां

- **200 से ज्यादा कंपनियां**: नाइजीरिया में 200 से अधिक भारतीय कंपनियां पहले से काम कर रही हैं।
- **मुख्य क्षेत्र**: ये कंपनियां निर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) और सेवा क्षेत्रों में सक्रिय हैं।
- **रोजगार और विकास**: भारतीय कंपनियां नाइजीरिया की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और रोजगार बढ़ाने में मदद कर रही हैं।

भविष्य की संभावनाएं

- **भारत और नाइजीरिया** के बीच यह सहयोग दोनों देशों के लिए फायदेमंद साबित होगा।
- **चुनौतियों का समाधान**: समुद्री सुरक्षा और आर्थिक विकास जैसी साझा चुनौतियों से निपटने में यह साझेदारी अहम होगी।
- **नई पहल**: आने वाले समय में और भी क्षेत्रों में सहयोग के लिए समझौते हो सकते हैं।
- यह यात्रा भारत और नाइजीरिया के संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

नाइजीरिया के बारे में:

स्थान: नाइजीरिया अफ्रीका के पश्चिमी तट पर स्थित है और इसे "अफ्रीका का दैत्य" कहा जाता है।

सीमाएँ:

- उत्तर: नाइजर
- पूर्व: चाड और कैमरून
- दक्षिण: गिनी की खाड़ी (अटलांटिक महासागर)
- पश्चिम: बेनिन

स्वतंत्रता: नाइजीरिया ने 1960 में ब्रिटेन से स्वतंत्रता प्राप्त की।

क्षेत्रफल: नाइजीरिया का क्षेत्रफल लगभग 9.24 लाख वर्ग किलोमीटर है।

जनसंख्या: नाइजीरिया अफ्रीका का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है।

राजधानी: अबुजा

भाषा: अंग्रेजी आधिकारिक भाषा है, लेकिन यहाँ पर हौसा, योरुबा, इग्बो और इजाव जैसी स्थानीय भाषाएँ भी बोली जाती हैं।

मुद्रा: नाइरा (NGN)

राष्ट्रपति: नाइजीरिया के वर्तमान राष्ट्रपति, श्री Bola Ahmed Tinubu (H.E. Mr. Bola Ahmed Tinubu) हैं।

भौगोलिक विविधता: नाइजीरिया में विभिन्न प्रकार की जलवायु पाई जाती है, जो शुष्क से लेकर उमस भरी समृद्ध उष्णकटिबंधीय तक होती है।

जलविकास:

- ✓ **प्रमुख बेसिन**: नाइजर-बेनी, लेक चाड और गिनी की खाड़ी
- ✓ **प्रमुख नदियाँ**: नाइजर नदी (जिससे देश का नाम पड़ा) और इसकी सबसे बड़ी सहायक नदी बेनी नदी।

पहाड़ी श्रृंखला: कैमरून हाइलैंड्स।

प्राकृतिक संसाधन: नाइजीरिया में विशाल पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस के भंडार हैं।

आईएएस के. संजय मूर्ति को भारत के नए नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (CAG) के रूप में नियुक्त / IAS K. Sanjay Murthy appointed as the new Comptroller and Auditor General (CAG) of India

सोमवार को केंद्र सरकार ने आईएएस के. संजय मूर्ति को भारत के नए नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (CAG) के रूप में नियुक्त किया।

- ✓ वे गिरीश चंद्र मुर्मु का स्थान लेंगे।

मुख्य बिंदु

1. **नियुक्ति की घोषणा:**
   - ✓ भारत के संविधान के अनुच्छेद 148 (1) के तहत राष्ट्रपति ने श्री के. संजय मूर्ति को नियंत्रक और महालेखा परीक्षक के रूप में नियुक्त किया।
2. **कार्यभार ग्रहण की तिथि:**
   - ✓ यह नियुक्ति उस दिन से प्रभावी होगी जब श्री मूर्ति अपना पदभार ग्रहण करेंगे।
3. **वर्तमान पद:**
   - ✓ के. संजय मूर्ति वर्तमान में शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत उच्च शिक्षा विभाग के सचिव के रूप में कार्यरत हैं।
4. **गिरीश चंद्र मुर्मु का पिछला कार्यकाल:**

Comptroller and Auditor General of India
Supreme audit institution

   - ✓ मुर्मु पहले जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के पहले उपराज्यपाल थे।
5. **शिक्षा में योगदान:**
   - ✓ उच्च शिक्षा सचिव के रूप में मूर्ति ने शिक्षा से संबंधित नीतियों की देखरेख, सरकारी पहलों के क्रियान्वयन, और शैक्षणिक संस्थानों के साथ सहयोग को बढ़ावा दिया।
6. **नई जिम्मेदारियाँ:**
   - ✓ CAG के रूप में के. संजय मूर्ति सार्वजनिक लेखा-जोखा और सरकारी वित्तीय पारदर्शिता को सुनिश्चित करेंगे।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG):

भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) देश की सर्वोच्च लेखापरीक्षा संस्था है। यह एक स्वतंत्र संवैधानिक प्राधिकरण है, जो केंद्र और राज्य सरकारों की वित्तीय गतिविधियों की जाँच करता है। CAG का मुख्य उद्देश्य जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करना है।

CAG की नियुक्ति और कार्यकाल

1. CAG की **नियुक्ति राष्ट्रपति** द्वारा की जाती है।
2. कार्यकाल: **6 वर्ष** या **65 वर्ष की आयु**, जो पहले हो।
3. CAG को **सुप्रीम कोर्ट के जज की तरह** ही पद से हटाया जा सकता है।

CAG की शक्तियां

1. **सरकारी खातों की ऑडिट**: CAG केंद्र और राज्य सरकारों, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों, और अन्य सरकारी निकायों के खातों की जाँच करता है।
2. **वित्तीय पारदर्शिता**: यह सुनिश्चित करता है कि सार्वजनिक धन सही तरीके से खर्च हो।
3. **संसद को रिपोर्ट**: अपने निष्कर्षों को संसद और राज्य विधानसभाओं को प्रस्तुत करता है।
4. **प्रदर्शन ऑडिट**: यह सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रभावशीलता की जाँच करता है।
5. **सिफारिशें**: सरकार को वित्तीय अनियमितताओं को सुधारने के सुझाव देता है।

CAG के मुख्य कार्य

1. ऑडिट करना:
   - सरकार की **आय-व्यय**, संपत्तियों और देनदारियों का ऑडिट।
   - **समेकित निधि**, आकस्मिक निधि और सार्वजनिक खातों की जाँच।
2. रिपोर्ट प्रस्तुत करना:
   - ऑडिट रिपोर्ट संसद और विधानसभाओं में प्रस्तुत करना।
   - रिपोर्ट सार्वजनिक करना।
3. अनियमितताओं की जाँच:
   - राजस्व संग्रह, व्यय, और संपत्तियों के प्रबंधन में गड़बड़ियों की पहचान।
4. सरकार को सलाह देना:
   - वित्तीय प्रबंधन को प्रभावी बनाने के सुझाव।

CAG से जुड़े संवैधानिक प्रावधान

1. **अनुच्छेद 148**: CAG की नियुक्ति, शपथ और सेवा शर्तों का निर्धारण।
2. **अनुच्छेद 149**: केंद्र और राज्य सरकारों के सभी व्ययों और खातों की ऑडिट।
3. **अनुच्छेद 150**: केंद्र और राज्य के खातों को किस रूप में रखा जाएगा, इसकी सलाह राष्ट्रपति को देना।
4. **अनुच्छेद 151**:CAG की रिपोर्ट:
   - केंद्र के लिए राष्ट्रपति को।
   - राज्य के लिए राज्यपाल को।
5. **अनुच्छेद 279**: कर और शुल्क की शुद्ध आय का प्रमाणन।

19 नवंबर को SpaceX करेगा भारतीय उपग्रह GSAT-20 का प्रक्षेपण / SpaceX will launch Indian satellite GSAT-20 on November 19

एलन मस्क की कंपनी SpaceX 19 नवंबर को भारत के भारी संचार उपग्रह GSAT-20 को अमेरिका के केप कैनवेरल से लॉन्च करेगी।

जीसैट-20 उपग्रह का स्पेसएक्स से प्रक्षेपण - मुख्य बिंदु

1. **प्रक्षेपण तिथि और स्थान**
   - **जीसैट-20 (GSAT-20) को 19 नवंबर को अमेरिका के केप कैनेवरल से स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट द्वारा लॉन्च किया जाएगा।**
2. **उपग्रह का महत्व**
   - यह भारत का **एक भारी संचार उपग्रह है जिसका वजन 4,700 किलोग्राम** है।
   - यह 14 वर्षों तक कार्य करेगा और दूरदराज के क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान करेगा।

SpaceX का योगदान

- **प्रक्षेपण रॉकेट:** जीसैट-20 को स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट से लॉन्च किया जाएगा।
- **क्षमता:** फाल्कन-9 रॉकेट 8,300 किलोग्राम तक के पेलोड को जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट तक पहुंचा सकता है।

स्पेसएक्स का चयन क्यों किया गया?

- **भारतीय रॉकेट की सीमा:** जीसैट-20 का वजन इसरो के एलवीएम-3 (बाहुबली) रॉकेट की क्षमता से अधिक है।
- **फ्रेंच कंपनी पर निर्भरता समाप्त:** पहले इसरो एरियनस्पेस पर निर्भर था, लेकिन उनके पास अब कार्यशील रॉकेट नहीं हैं।
- **विश्वसनीय और किफायती विकल्प:** भारी उपग्रहों के प्रक्षेपण के लिए स्पेसएक्स एक भरोसेमंद और किफायती विकल्प है।

लॉन्च का सौदा

- इसरो के वाणिज्यिक भाग, न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड (NSIL) के प्रमुख राधाकृष्णन दुरईराज ने बताया कि इसरो को स्पेसएक्स के साथ यह प्रक्षेपण सौदा एक उचित कीमत पर मिला है।

महत्व

- **संचार नेटवर्क का सशक्तिकरण:** जीसैट-20 भारत के संचार ढांचे को मजबूत करेगा।
- **रणनीति में बदलाव:** यह भारत के उपग्रह प्रक्षेपण रणनीति में बदलाव को दर्शाता है, जिसमें एरियनस्पेस की अनुपलब्धता के कारण स्पेसएक्स पर निर्भरता बढ़ी है।
- **लाभकारी समझौता:** स्पेसएक्स के साथ यह सौदा किफायती और भारत के लिए लाभकारी माना जा रहा है।

इसरो :

ISRO
Government agency

- **स्थापना:**
  इसरो (ISRO) की स्थापना 15 अगस्त 1969 को हुई थी। इसे भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुसंधान समिति (INCOSPAR) के स्थान पर बनाया गया।
- **मुख्यालय:**
  इसरो का मुख्यालय बेंगलुरु में स्थित है।

- **कार्य:**
  - अंतरिक्ष अन्वेषण (Space Exploration)।
  - अंतरिक्ष आधारित सेवाएं जैसे संचार, नेविगेशन।
  - अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष सहयोग।
  - संबंधित तकनीकों का विकास।

S. Somanath
Chairperson of the Indian Space Research Organisation

- **सैटेलाइट्स:**
  इसरो विभिन्न प्रकार के सैटेलाइट्स का संचालन करता है:
  - रिमोट सेंसिंग, संचार और इमेजिंग के लिए।
  - नेविगेशन के लिए GAGAN और IRNSS सिस्टम।

इसरो के प्रमुख अनुसंधान केंद्र

1. **विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (VSSC):**
   - तिरुवनंतपुरम में स्थित।
   - लॉन्च व्हीकल (रॉकेट) बनाने का कार्य।
2. **यू आर राव सैटेलाइट सेंटर (URSC):**
   - बेंगलुरु में स्थित।
   - सैटेलाइट्स डिजाइन और विकास।
3. **सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (SDSC):**
   - श्रीहरिकोटा में स्थित।
   - सैटेलाइट्स और लॉन्च व्हीकल्स को एकीकृत और लॉन्च करना।
4. **लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम्स सेंटर (LPSC):**
   - वलियामला और बेंगलुरु में स्थित।
   - लिक्विड और क्रायोजेनिक स्टेज का विकास।
5. **स्पेस एप्लिकेशन सेंटर (SAC):**
   - अहमदाबाद में स्थित।
   - सेंसर्स और रिमोट सेंसिंग सैटेलाइट्स का विकास।
6. **नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर (NRSC):**
   - हैदराबाद में स्थित।
   - सैटेलाइट डेटा रिसीव, प्रोसेस और वितरण।

इसरो की गतिविधियां

- मौसम पूर्वानुमान।
- प्रसारण सेवाएं।
- आपदा प्रबंधन।
- नेविगेशन।

मधुमेह के मामलों में भारी वृद्धि: 1990 में 20 करोड़ से बढ़कर 2022 में 80 करोड़ से अधिक / Massive rise in diabetes cases: from 200 million in 1990 to over 800 million by 2022

दुनिया भर में मधुमेह के मामलों में भारी वृद्धि दर्ज की गई है। द लैंसेट में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, 1990 में 20 करोड़ लोगों को मधुमेह था, जो 2022 तक बढ़कर 80 करोड़ से अधिक हो गया। भारत में मधुमेह के मामलों की संख्या सबसे अधिक है।

भारत में मधुमेह से जुड़ी स्थिति: मुख्य बिंदु

1. **मधुमेह मामलों में तेज़ वृद्धि:**
   - ✓ 1990 में 20 करोड़ लोगों से बढ़कर 2022 में 80 करोड़ लोग मधुमेह से ग्रसित हुए।
   - ✓ भारत में 212 मिलियन (21.2 करोड़) लोग मधुमेह से पीड़ित हैं, जो विश्व में सबसे अधिक है।
2. **अप्रयुक्त मधुमेह के मामले:**
   - ✓ भारत में 30 वर्ष से अधिक उम्र के 133 मिलियन (13.3 करोड़) लोग बिना उपचार के मधुमेह से ग्रसित हैं।
   - ✓ चीन में यह संख्या 78 मिलियन (7.8 करोड़) है।
3. **नया डेटा विश्लेषण:**
   - ✓ अध्ययन में *HbA1c* (ग्लाइकेटेड हीमोग्लोबिन) और फास्टिंग प्लाज्मा ग्लूकोज को शामिल किया गया।
   - ✓ केवल फास्टिंग प्लाज्मा ग्लूकोज पर आधारित पुराने अध्ययन, विशेष रूप से दक्षिण एशिया में, मधुमेह के कई मामलों को नहीं पकड़ पाए।

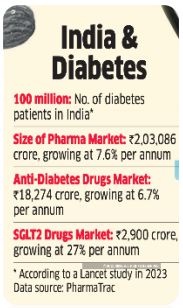

मधुमेह के बढ़ने के कारण और समाधान

1. **बढ़ने के कारण:**
   - अस्वस्थ खानपान (ज्यादा कैलोरी, कार्बोहाइड्रेट और संतृप्त वसा)।
   - निष्क्रिय जीवनशैली।
   - तंबाकू का सेवन (धूम्रपान से मधुमेह का खतरा 30%-40% तक बढ़ता है)।
2. **तंबाकू और मधुमेह का संबंध:**
   - निकोटीन से इंसुलिन बनाने वाली बीटा कोशिकाओं की संख्या और कार्यक्षमता कम होती है।
   - निकोटीन इंसुलिन प्रतिरोध भी बढ़ाता है।
   - तंबाकू छोड़ने से न केवल मधुमेह का खतरा घटता है, बल्कि हृदय रोग और मृत्यु दर भी कम होती है।
3. **गर्भावस्था में मधुमेह का प्रबंधन:**
   - गर्भावस्था के दौरान मधुमेह का सही प्रबंधन माँ और बच्चे दोनों में भविष्य में मधुमेह के खतरे को कम करता है।

2030 तक के लक्ष्य और चुनौतियाँ

- **डब्ल्यूएचओ लक्ष्य:**
  - 80% मधुमेह मरीजों का निदान।
  - 80% निदान किए गए मरीजों में रक्त शर्करा का सही नियंत्रण।
- **चुनौती:**
  - भारत में 133 मिलियन लोग अब भी निदान के बिना हैं।
  - बड़े पैमाने पर स्क्रीनिंग और जागरूकता की ज़रूरत।

मधुमेह (डायबिटीज़):

Diabetes
Also called: diabetes mellitus

1. मधुमेह क्या है?

- मधुमेह एक ऐसी स्थिति है जिसमें रक्त में ग्लूकोज (शर्करा) का स्तर असामान्य रूप से बढ़ जाता है।
- **यह तब होता है जब:**
  - अग्न्याशय पर्याप्त इंसुलिन नहीं बनाता।
  - शरीर इंसुलिन का सही उपयोग नहीं कर पाता।
- इंसुलिन एक हार्मोन है जो रक्त से ग्लूकोज को कोशिकाओं तक पहुंचाने में मदद करता है।

2. मधुमेह के मुख्य प्रकार

- ✓ **टाइप 1 डायबिटीज़:**
  - यह ऑटोइम्यून रोग है, जहां शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली अग्न्याशय की इंसुलिन बनाने वाली कोशिकाओं पर हमला करती है।
  - आमतौर पर बच्चों और युवाओं में होता है।
- ✓ **टाइप 2 डायबिटीज़:**
  - यह सबसे आम प्रकार है। इसमें शरीर पर्याप्त इंसुलिन नहीं बना पाता या इंसुलिन का उपयोग ठीक से नहीं कर पाता।
  - मुख्य रूप से वयस्कों में देखा जाता है लेकिन बच्चों में भी हो सकता है।
- ✓ **गर्भावधि मधुमेह:**
  - गर्भावस्था के दौरान होता है और आमतौर पर डिलीवरी के बाद ठीक हो जाता है।
  - इससे **टाइप 2 डायबिटीज़** का खतरा बढ़ जाता है।
- ✓ **प्रीडायबिटीज:**
  - यह स्थिति टाइप 2 डायबिटीज से पहले की अवस्था है, जहां रक्त शर्करा का स्तर सामान्य से अधिक होता है।

3. मधुमेह के अन्य दुर्लभ प्रकार

- **टाइप 3सी डायबिटीज़:** अग्न्याशय को हुए नुकसान के कारण।
- **LADA:** वयस्कों में धीमी गति से विकसित होने वाला स्वप्रतिरक्षी मधुमेह।
- **MODY:** एक आनुवंशिक प्रकार, जो परिवारों में चलता है।
- **नवजात मधुमेह:** जीवन के पहले छह महीनों में होने वाला दुर्लभ मधुमेह।
- **भंगुर मधुमेह:** टाइप 1 मधुमेह का गंभीर रूप, जिसमें ग्लूकोज स्तर अनियंत्रित होता है।

4. मधुमेह के सामान्य लक्षण

- बार-बार प्यास लगना और पेशाब आ
- थकान और धुंधली दृष्टि।
- घावों का देर से ठीक होना।
- अस्पष्टीकृत वजन घटना।
- हाथ-पैर में सुन्नपन या झुनझुनी।

सिकल सेल उन्मूलन-2047 पहल / Sickle Cell Elimination-2047 Initiative

डाक विभाग ने ***सिकल सेल उन्मूलन-2047 पहल*** को समर्पित एक विशेष स्मारक डाक टिकट जारी किया है। **इस पहल का उद्देश्य 2047 तक आदिवासी समुदायों के बीच सिकल सेल एनीमिया को खत्म करना है।**

जनजातीय गौरव दिवस पर मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल और मुख्यमंत्री मोहन यादव ने धार के पीजी कॉलेज में "सिकल सेल उन्मूलन-2047" स्मारक डाक टिकट का अनावरण किया।

मुख्य बिंदु

स्मारक डाक टिकट का अनावरण

- ✓ **मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल और मुख्यमंत्री मोहन यादव** ने इसका अनावरण किया।
- ✓ यह पहल **मध्य प्रदेश की सिकल सेल एनीमिया के खिलाफ लड़ाई** को मान्यता देती है।

राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन मिशन (NSCAEM)

- ✓ **जुलाई 2022 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मध्य प्रदेश से मिशन की शुरुआत।**
- ✓ **केंद्रीय बजट 2023 में इस मिशन की घोषणा।**

मिशन का उद्देश्य और प्रयास

- ✓ 2047 तक सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन।
- ✓ विशेष प्रयोगशालाएं, प्रसवपूर्व निदान, राष्ट्रीय पोर्टल और मोबाइल ऐप का विकास।
- ✓ जेनेटिक काउंसलिंग, सामुदायिक जांच और उन्नत डायग्नोस्टिक उपकरणों का उपयोग।

सिकल सेल एनीमिया की स्थिति

- ✓ **मध्य प्रदेश में सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र।**
- ✓ अनुमानित आंकड़े:
  - 9,61,492 लोग सिकल सेल लक्षण से प्रभावित
  - 67,861 लोग सिकल सेल एनीमिया से पीड़ित।

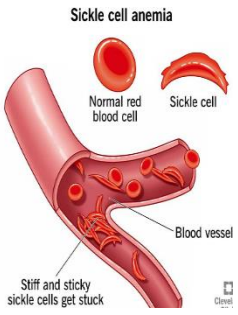

पहल की शुरुआत

- ✓ **मिशन का पायलट प्रोजेक्ट अलीराजपुर और झाबुआ जिलों में शुरू हुआ।**
- ✓ अब इसे **17 राज्यों तक विस्तारित** किया गया है।

अन्य जानकारी

- **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने सिकल सेल रोग को आदिवासी स्वास्थ्य से जुड़ी 10 प्रमुख समस्याओं में सूचीबद्ध किया है।**
- **यह पहल आदिवासी समुदायों के लिए बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और जागरूकता प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।**

सिकल सेल एनीमिया: एक गंभीर वंशानुगत रोग

क्या है सिकल सेल एनीमिया?

सिकल सेल एनीमिया एक आनुवंशिक विकार है, जो शरीर के सभी भागों में ऑक्सीजन पहुंचाने वाली लाल रक्त कोशिकाओं (RBCs) के आकार को प्रभावित करता है।

- सामान्य RBCs गोल और लचीली होती हैं, जो रक्त वाहिकाओं से आसानी से गुजरती हैं।
- सिकल सेल एनीमिया में कुछ RBCs का आकार दरांती (सिकल) या अर्धचंद्राकार हो जाता है।
- ये कोशिकाएं कठोर और चिपचिपी हो जाती हैं, जिससे रक्त प्रवाह धीमा हो जाता है या अवरुद्ध हो सकता है।

रोग के मुख्य कारण

- यदि माता-पिता दोनों में सिकल सेल लक्षण हैं, तो शिशु को यह रोग होने की संभावना अधिक रहती है।
- सिकल कोशिकाओं के कारण रक्त प्रवाह में रुकावटें आती हैं, जो शरीर के अंगों को नुकसान पहुंचाती हैं।

जीवनकाल और स्वास्थ्य जटिलताएं

- इस रोग से पीड़ित व्यक्ति का औसत जीवनकाल लगभग 40 वर्ष होता है।
- रोग के कारण जीवन की गुणवत्ता प्रभावित होती है।

सिकल सेल एनीमिया के लक्षण

1. **सामान्य लक्षण**:
   - एनीमिया (खून की कमी),
   - पीलिया,
   - यकृत और प्लीहा का बढ़ना।
2. **गंभीर लक्षण**:
   - हाथ-पैर में सूजन और दर्द,
   - बार-बार संक्रमण होना,
   - शारीरिक विकास में देरी,
   - दृष्टि संबंधी समस्याएं।
3. **विशिष्ट स्वास्थ्य समस्या**:
   - फीमर की हड्डी का एवैस्कुलर नेक्रोसिस।

भारत में सिकल सेल एनीमिया की स्थिति

रोग का प्रकोप

- भारत में सिकल सेल रोग से 10 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं।
- विश्व में इसके मामलों में भारत दूसरे स्थान पर है।
- रोग के अधिकांश मामले आदिवासी इलाकों (ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र) में पाए जाते हैं।

चिकित्सा संबंधी बाधाएं

1. **उपचार तक पहुंच का अभाव**: केवल 18% रोगी नियमित उपचार प्राप्त करते हैं।
   - दवाओं की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती है।
2. **उपचार और अनुसंधान**
   - सिकल सेल रोग का कोई स्थायी उपचार नहीं है।
   - जीन थेरेपी पर शोध जारी है, लेकिन यह महंगा हो सकता है।
   - टीकाकरण कवरेज में कमी भी एक बड़ी समस्या है।

केंद्र सरकार की योजना: अंडमान-निकोबार द्वीप समूह को बनाएगी ट्यूना निर्यात हब / Central government's plan: Andaman-Nicobar Islands will be made a tuna export hub

केंद्र सरकार **अंडमान और निकोबार द्वीपों को ट्यूना मछली निर्यात का केंद्र बनाने की योजना पर कार्य कर रही है**, जहां विशेष आर्थिक क्षेत्र (EEZ) में ट्यूना मछलियों की कई प्रजातियां और बड़ी अप्रयुक्त मत्स्य संपदा मौजूद है।

मुख्य बिंदु:

ट्यूना मछली का निर्यात बढ़ा:

⇒ भारत से ट्यूना मछली का निर्यात 2023-24 में 31.83% बढ़कर 51,626 टन हो गया, जिसकी कीमत $87.96 मिलियन रही।

अंडमान और निकोबार द्वीपों का महत्व:

⇒ इन द्वीपों के विशेष आर्थिक क्षेत्र (EEZ) में ट्यूना मछली की कई प्रजातियां और 64,500 टन सालाना की कुल उत्पादन क्षमता है।

⇒ इसमें 24,000 टन येलोफिन, 22,000 टन स्किपजैक, 500 टन बिगआई, और 18,000 टन नेरिटिक ट्यूना उपलब्ध हो सकते हैं।

वैश्विक बाजार में ट्यूना का महत्व:

⇒ वैश्विक ट्यूना बाजार $41.94 बिलियन का है।

⇒ **हिंद महासागर, दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा ट्यूना उत्पादन क्षेत्र** है, जो 21% वैश्विक उत्पादन करता है।

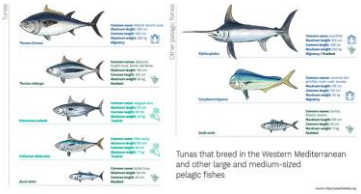

चुनौतियां और संभावनाएं:

⇒ **चुनौतियां**:

- ✓ आधुनिक मछली पकड़ने की तकनीकों की कमी।
- ✓ प्रोसेसिंग और भंडारण सुविधाओं का अभाव।
- ✓ मछली पकड़ने का अविकसित क्षेत्र।

⇒ **संभावनाएं**:

- ✓ आधुनिक तकनीकों और कौशल विकास से उत्पादन में सुधार की संभावना।
- ✓ निर्यात बढ़ाकर स्थानीय और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती।

True tunas
Fish

टूना मछली: एक परिचय

1. सामान्य परिचय

- टूना *स्कॉमब्रिडे* प्रजाति की खारे पानी की मछलियों में से एक है।
- अधिकतर प्रजातियां *थुन्नुस* वर्ग से संबंधित हैं।
- टूना मछली तेज तैराक होती है, कुछ प्रजातियां 70 किमी/घंटा (43 मील/घंटा) की रफ्तार से तैर सकती हैं।

2. विशेषताएँ

- **मांस का रंग:**
  - सफेद मांस वाली अधिकांश मछलियों से अलग, टूना का **मांस गुलाबी से गहरा लाल रंग** का होता है।
  - इसका कारण ***मायोग्लोबिन* नामक ऑक्सीजन बाध्यकारी अणु** है, जो अन्य मछलियों की तुलना में टूना में अधिक मात्रा में पाया जाता है।
- **गर्म खून वाली प्रजातियाँ:**
  - कुछ बड़ी टूना प्रजातियां, जैसे *ब्लूफिन टूना*, ***गर्म खून*** वाली होती हैं।
  - ये मांसपेशियों की हरकत से शरीर का तापमान पानी के तापमान से अधिक बढ़ा सकती हैं।
  - यह क्षमता उन्हें ठंडे पानी और विविध समुद्री वातावरण में जीवित रहने में मदद करती है।

3. नाम की उत्पत्ति

- **"टूना" नाम की व्युत्पत्ति:**
  - स्पेनिश शब्द *अतून (atún)* से।
  - यह अरबी शब्द *तन (tun/tūn)*, लैटिन *थुन्नुस (Thunnus)* और यूनानी *थाएनॉस (thynnos)* से लिया गया है।

4. प्रजातियां

- टूना की ***48 से अधिक प्रकार की प्रजातियां*** पाई जाती हैं।
- **थुन्नुस वर्ग में कुल 9 प्रजातियां** शामिल हैं।

5. विशेष उपयोग

- टूना को पोषण और व्यापार दोनों में महत्वपूर्ण माना जाता है।
- यह मछली भारत में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह को ट्यूना निर्यात हब बनाने के लिए भी प्राथमिकता में है।

हरिनी अमरसूर्या बनीं श्रीलंका की तीसरी महिला प्रधानमंत्री / Harini Amarasuriya became the third woman Prime Minister of Sri Lanka

हरिनी अमरसूर्या को श्रीलंका की नई प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया है, और वह इस पद पर पहुंचने वाली **तीसरी महिला नेता हैं। वे 5 साल पहले राजनीति में आईं और 2 महीने पहले अंतरिम सरकार में प्रधानमंत्री रह चुकी हैं।** उनकी पढ़ाई **दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू कॉलेज से हुई है।** हाल ही में श्रीलंका में संसदीय चुनावों के बाद नई सरकार का गठन हुआ है, जिसमें उन्होंने यह महत्वपूर्ण पद संभाला।

मुख्य बिंदु:

- ✓ हरिनी अमरसूर्या श्रीलंका की **तीसरी महिला प्रधानमंत्री** बनीं।
- ✓ उनकी पढ़ाई **दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू कॉलेज** से हुई है।
- ✓ राजनीति में आने के **5 साल बाद प्रधानमंत्री** बनीं।
- ✓ 14 नवंबर को हुए संसदीय चुनावों में **NPP गठबंधन की जीत।**
- ✓ नई कैबिनेट में **22 सदस्य, जिनमें 2 महिलाएं और 2 तमिल सांसद** शामिल।
- ✓ राष्ट्रपति ने कैबिनेट को छोटा रखा, सरकार की लागत को कम करने के उद्देश्य से।

तीसरी महिला प्रधानमंत्री बनीं हरिनी अमरसूर्या

- हरिनी अमरसूर्या श्रीलंका की तीसरी महिला प्रधानमंत्री बनीं।
- इससे पहले, **सिरिमाओ भंडारनायके (3 बार) और चंद्रिका कुमारतुंगा (1 बार) महिला प्रधानमंत्री पद** पर रह चुकी हैं।
- हरिनी अमरसूर्या ने **2020 में पहली बार सांसद के रूप में राजनीति** में कदम रखा।
- राजनीति में आने से पहले, वह श्रीलंका ओपन यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर थीं।

हरिनी नीरेका अमरसूर्या

- **जन्म**: 6 मार्च 1970
- वह एक **समाजशास्त्री, शिक्षाविद, कार्यकर्ता और राजनीतिज्ञ** हैं।
- अमरसूर्या का जन्म एक मिडिल क्लास परिवार में हुआ था।
- उनके पिता एक चाय बागान के मालिक थे।
- 1972 में श्रीलंका में भूमि सुधार कानून लागू होने के बाद, उनका परिवार गाले से कोलंबो आकर बस गया, क्योंकि सरकार ने उनके पिता का चाय बागान अधिग्रहित कर लिया था।
- 2024 से श्रीलंका की प्रधानमंत्री के रूप में कार्यरत हैं।

श्रीलंका - एक परिचय

श्रीलंका (आधिकारिक नाम श्रीलंका समाजवादी जनतांत्रिक गणराज्य) **दक्षिण एशिया में हिन्द महासागर के उत्तरी भाग में स्थित एक द्वीपीय देश** है। यह भारत के दक्षिण में स्थित है और **इसकी दूरी भारत से केवल 31 किलोमीटर है।** श्रीलंका का सबसे बड़ा नगर कोलम्बो है, जो समुद्री परिवहन के दृष्टिकोण से एक महत्वपूर्ण बंदरगाह है। **श्रीलंका का पुराना नाम शीलोन था, जिसे 1974 में बदलकर श्रीलंका रख दिया गया।**

महत्वपूर्ण तथ्य:

- **प्रधानमंत्री**: हरिनी अमरसूर्या
- **राष्ट्रपति**: अनुरा कुमारा दिसानायके
- **राजभाषा**: सिंहली, तमिल
- **सबसे बड़ा नगर**: कोलम्बो

इतिहास: श्रीलंका का लिखित **इतिहास 5000 वर्ष पुराना** है। 125,000 वर्ष पूर्व यहाँ मानव बस्तियाँ होने के प्रमाण मिले हैं। तीसरी सदी ईसा पूर्व में मौर्य सम्राट अशोक के पुत्र महेन्द्र के आगमन पर बौद्ध धर्म का श्रीलंका में प्रवेश हुआ।

यूरोपीय आक्रमण: 16वीं सदी में यूरोपीय शक्तियाँ श्रीलंका में व्यापार स्थापित करने आईं। पहले पुर्तगालियों ने कोलम्बो के पास अपना दुर्ग बनाया, फिर डचों और अंग्रेजों ने भी अपने-अपने प्रभुत्व के लिए संघर्ष किया। 1800 ईस्वी तक अंग्रेजों ने तटीय क्षेत्रों पर कब्जा कर लिया और 1818 में कैंडी के राजा ने आत्मसमर्पण किया, जिसके बाद सम्पूर्ण श्रीलंका पर अंग्रेजों का अधिकार हो गया।

स्वतंत्रता: द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद 4 फरवरी 1948 को श्रीलंका को यूनाइटेड किंगडम से स्वतंत्रता प्राप्त हुई।

श्रीलंका का सांस्कृतिक महत्व: श्रीलंका एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से समृद्ध देश है, जहां बौद्ध धर्म और अन्य सांस्कृतिक परंपराएँ गहरी जड़ें रखती हैं। यहाँ की वैद्दा जनजाति अपनी अनूठी संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है।